SNBP International & Senior Secondary School, Chikhali, Pune.
Affiliation No. 1130703
Academic session 2024-25
Term 2 Cass-notes
Subject: HINDI

CLASS: 6 L.No. 12 (व्याकरण –कारक)
Prepared by:DEEPIKA MEHRA DATE-

कारक की परिभाषा – संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से उसका संबंध क्रिया से जाना जाए , उसे कारक कहते हैं |

कारक के भेद –

कारक आठ प्रकार के होते हैं , जो निम्नलिखित हैं |

१. कर्ता कारक – शब्द का वह रूप जिससे क्रिया करने वाले का बोध होता है , उसे कर्ता कारक कहते हैं |

कर्ता कारक का परसर्ग 'ने' है |

जैसे – मोहित दुकान खोलना चाहता है |

२. कर्म कारक – जिस काम को कर्ता करे , वह कर्म कारक कहलाता है | इसका परसर्ग 'को' है |

जैसे – माँ बालक को गोद में उठाती है |

३. करण कारक – कर्ता जिसकी सहायता से क्रिया करता है ,उसे करण कारक कहते है | इसका परसर्ग 'से' है |

जैसे – दादी चाकू से फल काटती हैं |

४. संप्रदान कारक – कर्ता जिसके लिए कार्य करता है या जिसको कुछ दिया जाए , वह संप्रदान कारक कहलाता है | इसके परसर्ग 'के लिए' हैं |

जैसे – माँ बच्चे के लिए स्वेटर बुन रही हैं |

५. अपादान कारक – संज्ञा के जिस रूप से एक वस्तु का दूसरे से अलग होना पाया जाता है , वह अपादान कारक कहलाता है | इसका परसर्ग 'से' है |

जैसे – पेड़ से पत्ते गिरते हैं |

६. संबंध कारक – संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से उसका संबंध दूसरे संज्ञा या सर्वनाम के साथ पता चलता है , उसे संबंध कारक कहते हैं | इसके चिह्न का ,के ,की ,रा .रे .री होते हैं |
जैसे – राजा का लड़का राजकुमार कहलाता है |

मोहन की बहन कल यहाँ आयी थी |

७. अधिकरण कारक – क्रिया के होने के स्थान को अथवा आधार को अधिकरण कारक कहते हैं |इसके परसर्ग में , पर हैं |

जैसे – दीवार पर चिड़िया बैठी है |

कार में कौन है |

८. संबोधन कारक – शब्द के जिस रूप से किसी को संबोधित करने ,बुलाने ,पुकारने अथवा सचेत करने का भाव हो ,वह संबोधन कारक कहलाता है | है ,अरे , ओ आदि इसके विभक्ति चिह्न हैं |

जैसे – अरे बालको ! इधर तो आओ |